



Boy



Girl

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121364801

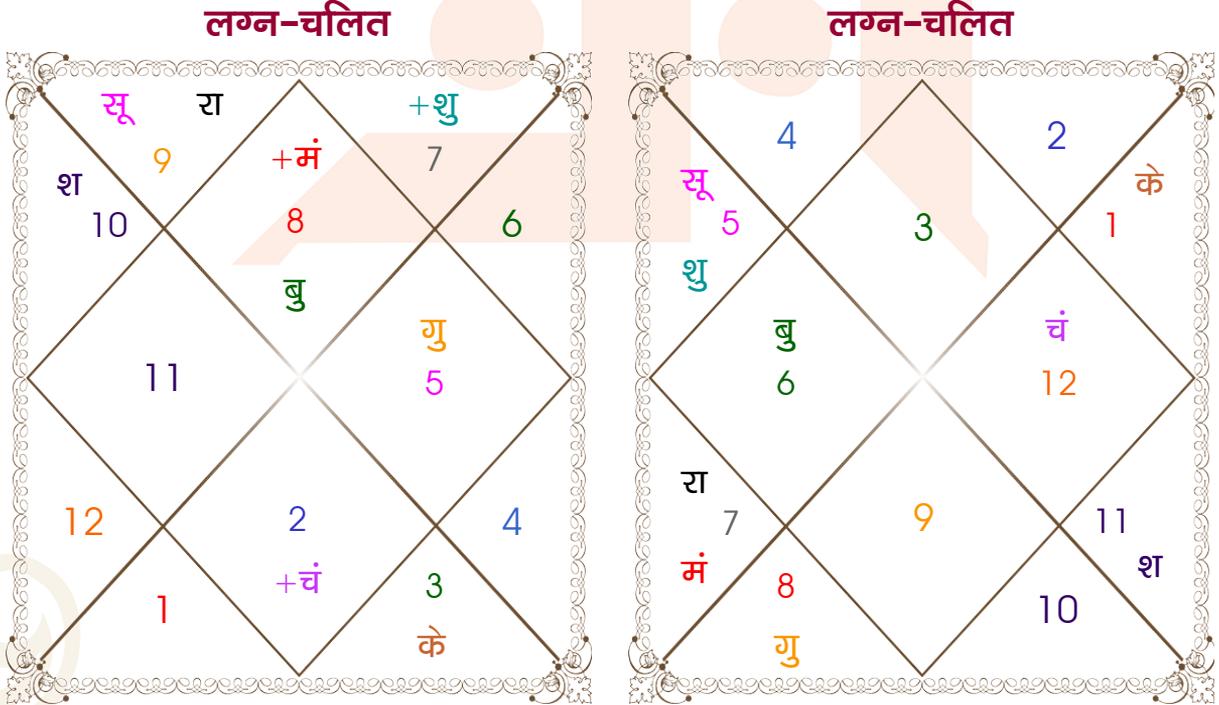
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
20-21/12/1991 :	जन्म तिथि	: 9-10/09/1995
शुक्र-शनिवार :	दिन	: शनि-रविवार
घंटे 04:05:00 :	जन्म समय	: 01:55:00 घंटे
घटी 53:51:17 :	जन्म समय(घटी)	: 50:52:19 घटी
India :	देश	: India
Chapra :	स्थान	: Mumbai
25:47:00 उत्तर :	अक्षांश	: 18:58:00 उत्तर
84:47:00 पूर्व :	रेखांश	: 72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:09:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:32:29 :	सूर्योदय	: 06:25:12
17:03:58 :	सूर्यास्त	: 18:46:49
23:44:58 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:47:57
वृश्चिक :	लग्न	: मिथुन
मंगल :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
वृष :	राशि	: मीन
शुक्र :	राशि-स्वामी	: गुरु
मृगशिरा :	नक्षत्र	: पू०भाद्रपद
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	: गुरु
2 :	चरण	: 4
शुभ :	योग	: शूल
विष्टि :	करण	: कौलव
वो-वोमेश :	जन्म नामाक्षर	: दी-दीप्ति
धनु :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या
वैश्य :	वर्ण	: विप्र
चतुष्पाद :	वश्य	: जलचर
सर्प :	योनि	: सिंह
देव :	गण	: मनुष्य
मध्य :	नाड़ी	: आद्य
मृग :	वर्ग	: सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 4वर्ष 7मा 4दि	01:31:05	वृश्चि	लग्न	मिथु	20:42:04	गुरु 1वर्ष 10मा 4दि
गुरु	04:47:43	धनु	सूर्य	सिंह	22:53:01	बुध
25/07/2014	27:54:54	वृष	चंद्र	मीन	01:47:47	14/07/2016
25/07/2030	21:57:06	वृश्चि	मंगल	तुला	07:53:41	14/07/2033
गुरु 12/09/2016	14:38:01	वृश्चि	बुध	कन्या	19:43:46	बुध 11/12/2018
शनि 26/03/2019	20:43:12	सिंह	गुरु	वृश्चि	13:52:09	केतु 08/12/2019
बुध 01/07/2021	23:26:23	तुला	शुक्र	सिंह	28:18:09	शुक्र 08/10/2022
केतु 07/06/2022	10:54:42	मक	शनि व	कुंभ	27:54:26	सूर्य 14/08/2023
शुक्र 05/02/2025	16:05:15	धनु व	राहु व	तुला	03:12:42	चन्द्र 13/01/2025
सूर्य 24/11/2025	16:05:15	मिथु व	केतु व	मेष	03:12:42	मंगल 10/01/2026
चन्द्र 26/03/2027	19:16:39	धनु	हर्ष व	मक	03:00:57	राहु 29/07/2028
मंगल 01/03/2028	22:03:19	धनु	नेप व	धनु	29:08:46	गुरु 04/11/2030
राहु 25/07/2030	27:59:13	तुला	प्लूटो	वृश्चि	04:18:25	शनि 14/07/2033

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

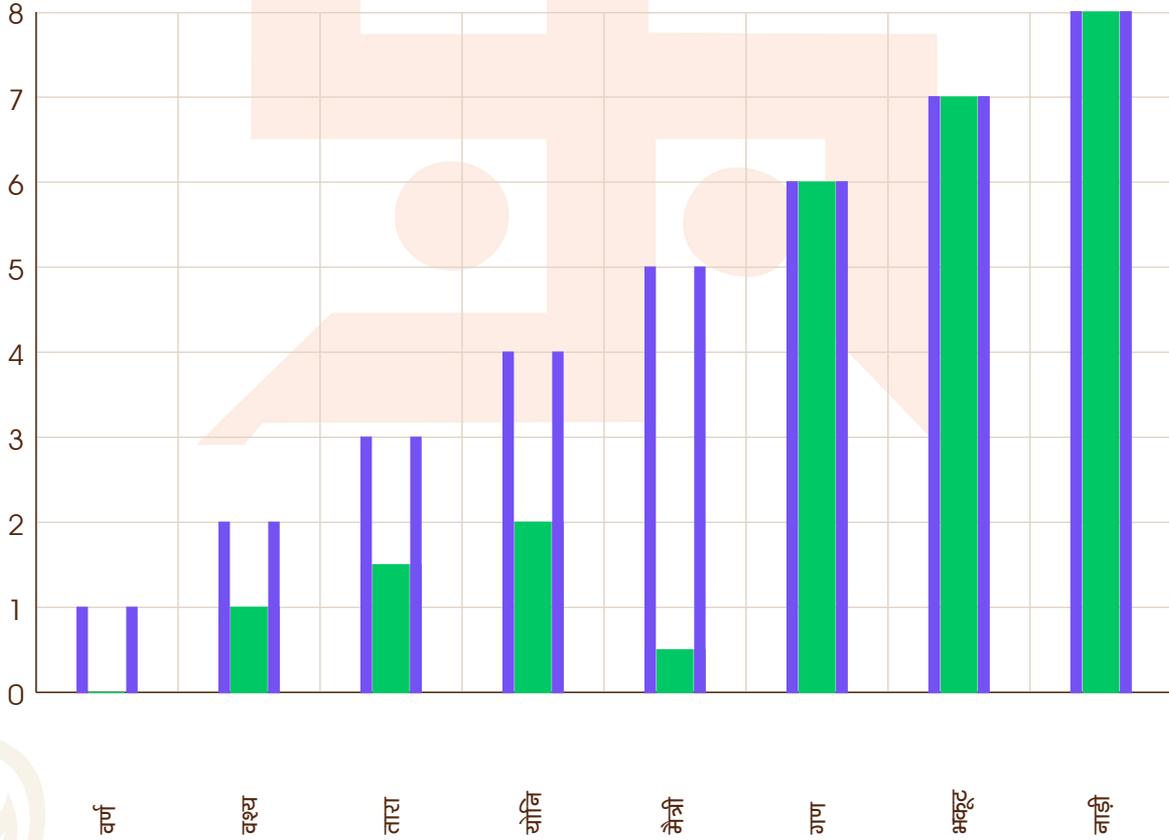
23:44:58 चित्रपक्षीय अयनांश 23:47:57



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : 26 / 36



अष्टकूट मिलान

Boy का वर्ग मृग है तथा Girl का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Boy और Girl का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Boy मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढपु;डडमंगंवूदकमइ;0द्धत्र।द्धइ क्योंकि मंगल Boy कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Girl मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Boy तथा Girl में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Boy का वर्ण वैश्य है तथा Girl का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Girl का वर्ण Boy के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Girl अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Girl को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

Boy का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं Girl का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। Boy एवं Girl दोनों अपने-अपने अलग कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में Boy एवं Girl दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

Boy की तारा मित्र तथा Girl की तारा विपत है। Girl की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Boy एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Girl का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठावेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Boy की योनि सर्प है तथा Girl की योनि सिंह है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Boy का राशि स्वामी Girl के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Girl का राशि स्वामी Boy के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Boy का गण देव तथा Girl का गण मनुष्य है। अर्थात् दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Girl अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

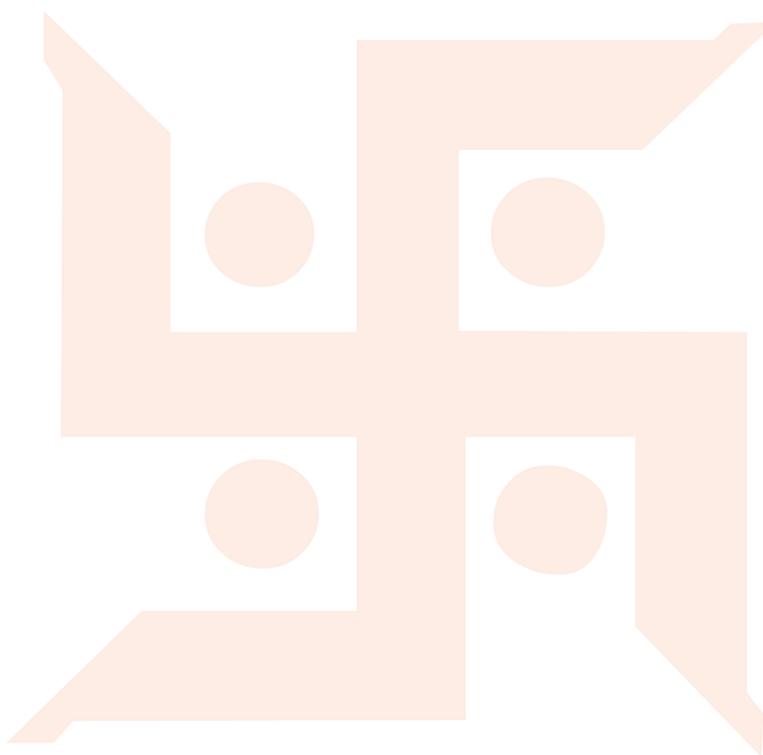
भकूट

Boy से Girl की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Girl से Boy की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Boy परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Girl हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव

सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

Boy की नाड़ी मध्य है तथा Girl की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।



मेलापक फलित

स्वभाव

Boy की जन्मराशि भूमितत्व युक्त वृष तथा Girl की राशि जलतत्व युक्त मीन है। भूमितत्व तथा जलतत्व में नैसर्गिक मित्रता तथा समता का भाव रहता है। अतः Boy और Girl में समानता के कारण दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा परस्पर संबंधों में मधुरता रहेगी।

Boy तथा Girl की राशि के स्वामी परस्पर शत्रु एवं समराशि में पड़ते हैं। अतः इसके प्रभाव से विचारों में मतभेद के कारण यदा कदा आपसी मन मुटाव की स्थिति उत्पन्न होगी साथ ही Boy का व्यवहार Girl के साथ विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं उनकी भावनाओं का आदर भी कम ही करेंगे जिससे परस्पर विवाद उत्पन्न होंगे। अतः यदि आपसी सामंजस्य से काम किया जाय तो इनमें किंचित शुभता हो सकती है।

Boy और Girl की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त दोषों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह सहानुभूति एवं सहअस्तित्व के भाव में वृद्धि होगी। वे एक दूसरे के साथ सामंजस्य पूर्वक व्यवहार करके दाम्पत्य जीवन में सुख शांति एवं समृद्धि की वृद्धि करने में समर्थ होंगे।

Boy का वश्य चतुष्पद एवं Girl का वश्य जलचर है। चतुष्पद तथा जलचर की परस्पर मित्रता एवं समानता रहती है। अतः Boy और Girl की अभिरुचियां तथा आवश्यकताओं में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर शुभ मिलान होगा। साथ ही कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे जिससे परस्पर संबंधों में मधुरता विद्यमान रहेगी।

Boy का वर्ण वैश्य है। अतः धनार्जन के प्रति अधिक आकृष्ट रहेंगे तथा व्यावहारिक दृष्टि से कार्यों को करेंगे। Girl का वर्ण ब्राह्मण होने के कारण शैक्षणिक तथा शास्त्रीय कार्यों में अभिरुचि रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को सम्मपन करने में भी प्रवृत्त रहेंगे।

धन

Boy और Girl की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। Boy एवं Girl की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Boy और Girl की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथा मंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

Boy को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार Boy और Girl धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Boy की नाड़ी मध्य तथा Girl की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा गंभीर समस्याओं से ये सुरक्षित रहेंगे परन्तु Girl के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव विद्यमान होगा। इसके प्रभाव से वे रक्त या पित संबंधी रोगों से समय समय पर कष्ट की प्राप्ति करेंगी। साथ ही गुप्त या धातु संबंधी रोगों से भी उनको जीवन में यदा कदा परेशानी की अनुभूति हो सकती है। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। इससे उपरोक्त समस्याओं में न्यूनता आएगी।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Boy और Girl का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Girl के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Girl को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विघ्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबंधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुंदर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Boy और Girl बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Boy और Girl का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Girl के अपनी सास के साथ संबंधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Girl को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Girl भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Girl को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Girl उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर

सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Girl के मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Girl के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Boy की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Boy सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Boy ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Boy के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।